

of them will be manufactured in this country.

**Shri Daji:** Has the Government assessed the need for helicopters in the coming three or four years and, if so, what is the number?

**Shri Krishna Menon:** When the manufacture is undertaken in this country, we will manufacture as many as are required.

**Shri Daji:** What is the estimate? My question is very precise. What is the number estimated?

**Shri Krishna Menon:** That is another question.

**परीक्षा में हिन्दी माध्यम वाले विश्वविद्यालय**

\*८५४ श्री बाल्मीकी : क्या शिक्षा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन विश्वविद्यालयों में हिन्दी को परीक्षा का माध्यम स्वीकार कर लिया गया है;

(ख) ऐसे कितने विश्वविद्यालय हैं जिन्हें हिन्दी को माध्यम बनाने में आपत्ति है; और

(ग) इस के क्या कारण हैं ?

**शिक्षा मन्त्री (डा० का० ला० श्रीमाली)**

(क) से (ग). सूचना एकत्र की जा रही है और यथासमय सभा पटल पर रख दी जायेगी।

**श्री बाल्मीकी :** अभी कितना समय लगेगा इस सूचना को एकत्रित करने में ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** बहुत ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। मैं आशा करता हूँ कि महीने दो महीने में सूचना आ जायेगी।

**डा० गोविन्द दास :** क्या यह बात सही है कि कई विश्वविद्यालय, जो कि अपने यहां पर हिन्दी को माध्यम बनाना चाहते हैं, इस लिये नहीं बना रहे हैं कि सरकारी नौकरियों में जो सरकार का वैकल्पिक रूप

से हिन्दी को भी रखने का इरादा है, और उस सम्बन्ध में घोषणा भी हो चुकी है, वह अब तक कार्य रूप में परिणत नहीं हो रहा है ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** यह प्रश्न अगर आप होम मिनिस्ट्री से पूछें तो ज्यादा अच्छा होगा। जहां तक शिक्षा मंत्रालय का ताल्लुक है कई विश्वविद्यालय ऐसे हैं जहां शिक्षा का माध्यम हिन्दी हो गया है और हो रहा है। बराबर उन्नति इस की हो रही है और पूरी इन्फार्मेशन इकट्ठी की जा रही है और उसको मैं टेबल पर रख दूंगा।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या मैं जान सकता हूँ कि केन्द्रीय सरकार की देख रेख में जो चार विश्वविद्यालय चलते हैं उन में से तीन विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ और वाराणसी, ऐसे क्षेत्र में हैं जो हिन्दी भाषा भाषी हैं, उन में परीक्षा का माध्यम हिन्दी हो जाए यथाशीघ्र, क्या इस विषय में केन्द्रीय मंत्रालय की ओर से उनको कोई निर्देश अथवा परामर्श दिया गया है ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** परामर्श तो बराबर होता है जब वाइस चान्सेलर्स कांफरेंसेज होती हैं। लेकिन इस में स्वतन्त्रता दी जाती है विश्वविद्यालयों को, और शायद सदस्य महोदय को यह मालूम होगा कि कई विश्वविद्यालय केन्द्र के ऐसे हैं जिन्होंने कदम लिये हैं हिन्दी को शिक्षा का माध्यम बनाने के लिये और आगे भी कदम लिये जा रहे हैं।

**अध्यक्ष महोदय :** श्री शर्मा।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** वे कौन से विश्वविद्यालय हैं ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** काशी विश्वविद्यालय आप को मालूम है।

**अध्यक्ष महोदय :** मैंने तो माननीय सदस्य को सवाल करने की इजाजत ही नहीं दी थी और आपने जवाब भी दे दिया।

**श्री अ० प्र० शर्मा :** क्या सरकार को यह मालूम है कि उन जगहों पर जहां पढ़ाई हिन्दी

में होती है सरकारी नौकरियों और अन्य छोटी छोटी नौकरियों के लिये परीक्षायें अंग्रेजी में होती हैं, इस कारण वहां के लड़कों को बड़ी असुविधा होती है ?

**Mr. Speaker:** It is quite a different thing. Shri Bhakat Darshan.

**श्री भक्त दर्शन :** श्रीमान्, क्या माननीय मंत्री जी ने इस बात का पता लगाने का प्रयत्न किया है कि जिन विश्वविद्यालयों ने हिन्दी को माध्यम स्वीकार कर भी लिया है वहां पर वह केवल कागजों में ही स्वीकार किया गया है ? वास्तव में उन पर अमल नहीं हो रहा है और शिक्षा का माध्यम अब भी अंग्रेजी बना हुआ है ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** जी नहीं ऐसा नहीं है ।

**श्री ३० वि० मेहरोत्रा :** क्या मंत्री महोदय बतलाने की कृपा करेंगे कि हिन्दी भाषा भाषी प्रदेशों में जो नये विश्वविद्यालय खुलने वाले हैं वहां पर हिन्दी का माध्यम होगा ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** जहां तक भविष्य की बात है, मैं कैसे कह सकता हूं कि आगे क्या होने वाला है ?

**Shri Daji:** Is it not a fact that in the absence of an integrated policy regarding the medium of instruction many universities find it difficult to change over to a different medium not knowing definitely what the whole scheme is?

**Dr. K. L. Shrimali:** The Government's policy with regard to the medium of instruction has been defined from time to time, and the latest statement is contained in the National Integration Conference, the recommendations of which the Government have accepted and which was also communicated to the State Governments and the universities. Steps have been taken to implement these recommendations.

**Shri Hem Barua:** May I know whether it is a fact that the University of Delhi proposes to introduce Hindi as the medium of instruction for arts subjects and, if so, whether the introduction of Hindi in the metropolitan university like the University of Delhi would not be disadvantageous to students who come from different parts of the country to this university?

**Dr. K. L. Shrimali:** The whole question is under discussion in the University Grants Commission. It is true, the University of Delhi has proposed that Hindi might also become the medium of instruction. Whether English would also continue or not is for the University to decide, but it is quite likely that both the media might continue for some time.

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** मैं आप के माध्यम से शिक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं, जैसा कि वे उत्तर देते समय बीच में रुक गये थे, कि केन्द्रीय सरकार की देख रेख में और राज्य सरकारों की देख रेख में जो विश्वविद्यालय हिन्दी भाषाभाषी क्षेत्रों में चल रहे हैं उन में परीक्षाओं का माध्यम और अध्ययन का माध्यम हिन्दी को कब से बनाया जायेगा ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** इस की कोई निश्चित तारीख तो नहीं बतलाई जा सकती है, लेकिन इस की तरफ बराबर काम हो रहा है। अभी मैं ने बतलाया कि दिल्ली विश्व-विद्यालय ने कुछ प्रस्ताव रखे हैं। इस के सम्बन्ध में युनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन जांच कर रहा है। इसी तरह से काशी विश्वविद्यालय में भी कुछ काम हुआ है और कई विषय ऐसे हैं जिन के लिये हिन्दी का माध्यम है, और इस तरफ बराबर उन्नति हो रही है। मिनिस्ट्री ने कई विश्वविद्यालयों को अनुदान दिये हैं ताकि वे पुस्तकें तैयार करें और पुस्तकों के ट्रांसलेशन करें। कई स्टेट गवर्नमेंट्स भी इस काम को कर रही हैं। यह काम ऐसा है जोकि बहुत जल्दी नहीं हो सकता है, लेकिन मैं

समझता हूँ कि सन्तोषजनक तरक्की हो रही है ।

**Mr. Speaker:** Next Question—Shri Umanath.

**An Hon. Member:** Absent.

**Mr. Speaker:** Shri Hari Vishnu Kamath.

**Shri Hem Barua:** Sir, the reply given to my supplementary question is not complete.

**Mr. Speaker:** That is over, and we have called two more questions.

**Shri Hem Barua:** Sir, about Shri Kamath's question, Question No. 856, he told me that he had already written to you asking me to put this question. He told me that before leaving this place.

**Mr. Speaker:** I would believe the hon. Member. But that will come after I have exhausted the whole list.

**Shri Hem Barua:** May I submit, Sir, I have rather a feeling that you have some doubts about my *bona fides*. He told me like that.

**Mr. Speaker:** I do not know how he suspects me. It seems rather he has some suspicion about my *bona fides*. I gave him this credit, that even if he had not written and the hon. Member had told me I would have believed him. Therefore, there was no necessity of writing to me. I had rather believed him more than myself, and still he says that I suspect him.

**Shri Hem Barua:** Sir, I have been misunderstood a little here. It was Spencer who said: "Too much loyalty to law produces powder monkeys". At the risk of being reduced to that substandard level, we have been loyal to you, and if I have misunderstood you I hope to be excused. I did not misunderstand you.

**Mr. Speaker:** That philosophy has not benefited me very much.

### Accounts of Indians in Foreign Countries

**\*857. Shri Surendranath Dwivedy:** Will the Minister of Finance be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 130 on the 23rd November, 1961 regarding enquiry into the violation of a foreign exchange regulation case and state:

(a) whether the enquiry has since been completed; and

(b) if so, whether any action has been taken on the basis of the enquiry?

**The Deputy Minister in the Ministry of Finance (Shrimati Tarkeshwari Sinha):** (a) and (b). The Hon'ble Member seems to have in mind the information furnished on the 30th November, 1961 and 26th March, 1962 in respect of Lok Sabha Starred Question No. 433 by Shri Ram Krishan Gupta and others and Unstarred Question No. 288 by Shri P. G. Deb. respectively. That matter is still under investigation.

**Shri Surendranath Dwivedy:** May I know who is conducting this enquiry and whether this enquiry also includes the accounts of Messrs. Stahl Union & Co., Calcutta who supply the bills on behalf of the German suppliers to Kalinga Tubes who have a large amount of money in German Marks on behalf of Shri Patnaik?

**Mr. Speaker:** That is beyond the scope of the original question.

**Shri Surendranath Dwivedy:** The hon. Minister says that the enquiry is going on. Who is conducting the enquiry? I also want to know whether that enquiry includes the accounts of Messrs. Stahl Union & Co., Calcutta and also Messrs. Alexander Marcus & Co. of London who are the suppliers to Kalinga Tubes and who also hold large amount of money in their banks

**Mr. Speaker:** It is not relevant here.